वर्षः- 05
अंकः- 335
मुरादाबाद
(Tuesday)
31 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिए स्मार्टफोन – नियुक्ति पत्र, बोले-अब समय पर मिलेगा रियलटाइम डाटा

राजधानी में लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बड़ी सौगात दी। साथ ही नव नियुक्त कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।राजधानी लखनऊ में सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन व नियुक्ति पत्र दिया। साथ ही ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस वितरित की। इनमें बच्चों की लंबाई और वजन मापने वाले उपकरण शामिल हैं। इससे बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की योजनाओं को गति मिलेगी। बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की निगरानी बेहतर तरीके से हो सकेगी। इस मौके पर सीएम य़ोगी ने कहा कि %मैं विभाग से कह रहा था कि हर आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पास स्मार्टफोन होना चाहिए। हमारी महिला कार्यकत्री जो मेहनत करती हैं, उसका रियलटाइम डाटा हमें समय पर नही मिल पाता। इसकी वजह से डाटा अपलोड न होने की स्थिति में हमारी रैंकिंग कम रहती है। इसलिए, सभी को स्मार्टफोन देना आवश्यक है। प्रदेश सरकार ने लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की बड़ी राशि सीधे खातों में भेजी। इस योजना से सभी वर्गों के विद्यार्थियों को लाभ मिला। अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार धनराशि वितरित की गई, जिससे स्कूल और कॉलेज स्तर पर पढ़ने वाले छात्रों को आर्थिक सहायता मिली।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को इंदिरा गांधीप्रतिष्ठान आयोजित कार्यक्रम में छात्रवृत्ति एवं पारिवारिक लाभ योजनाओं के तहत बड़ी धनराशि का डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (ष्ठक्चञ्ज) किया। इस दौरान प्रदेश के कक्षा 9-10 और दशमोत्तर के 27,99,982 छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में करीब 3,350 करोड़ रपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि सीधे भेजी गई। साथ ही 33,334 गरीब परिवारों के आश्रित सदस्यों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की मदद भी दी। ये स्कॉलरशिप सिर्फ एक वर्ग के लिए नहीं बल्कि सामान्य, ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक सभी वर्गों के छात्रों को दी गई। यानी स्कूल से लेकर कॉलेज तक पढ़ने वाले लाखों छात्रों को इसका फायदा मिला हैयोगी सरकार का कमजोर वर्ग पर फोकस-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, सरकार का प्रयास है कि कोई भी योग्य छात्र आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। ष्ठक्चञ्ज के माध्यम से छात्रवृत्ति सीधे खातों में पहुंचाने से पारदर्शिता बढ़ी है और छात्रों की समय पर मदद हो पा रही है। ये स्कॉलरशिप इसलिए दी गई है कि आप और मेहनत कर सकें। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं। स्कॉलरशिप आपकी मंजिल नहीं है। परिश्रम आपकी मंजिल है। स्कॉलरशिप के पैसे का दुरुपयोग मत करना। सरकार का संबल है। सपोर्ट करने और आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफार्म दिया गया है। बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई में सरकार मदद कर रही है। अब तक 26 लाख बेटियों को लाभ पहुंचा चुके हैं। सरकार ने बजट में कई नए प्रावधान किए हैं। कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। मेरठ, प्रयागराज, झांसी, आगरा व गोरखपुर में भी 500-500 की क्षमता का छात्रावास बनाया जा रहा है। महिला उद्यमिता सशक्तीकरण अभियान के तहत वहां के प्रोडक्ट को डिस्प्ले के लिए भी पैसे की व्यवस्था की है। हर जिले में युवाओं के स्कीलिंग और एम्प्लायमेंट जोन सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से बनाया जा रहा है। 43 हजार परिवारों को 100 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। पहले ये पैसा कहां जाता था। ये हर व्यक्ति जानता है। पहले सारी स्कीमों का पैसा समाजवादी के नाम पर परिवारवादी लोग हजम कर जाते थे। सत्ता के समानांतर अपराधी सरकार चलाते थे। गरीब की कहीं सुनवाई नहीं होती थी। अल्पसंख्यक छात्रों को अलग-अलग हिस्सों में राशि-राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि इस योजना के तहत विभिन्न वर्गों के छात्रों को लाभ मिलेगा। इसमें अनुसूचित जाति के 6.68 लाख छात्रों को करीब ?467.94 करोड़, सामान्य वर्ग के 4.95 लाख छात्रों को 779.10 करोड़, अन्य पिछड़ा वर्ग के 13.52 लाख छात्रों को 1838.59 करोड़, अल्पसंख्यक वर्ग के 2.75 लाख छात्रों को 252.76 करोड़ और अनुसूचित जनजाति के 7,236 छात्रों को करीब 11.61 करोड़ की राशि दी जाएगी। ओपी राजभर बोले- हमारी सरकार ने छात्रवृत्ति काफी बढ़ाई है पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- हमारी सरकार का सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास मूल मंत्र है। पिछले नौ साल से यूपी में तेजी से विकास हो रहा है। अल्पसंख्यक के कल्याण की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहा है। छात्रवृत्ति राशि में हमारी सरकार ने काफी वृद्धि की है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान-रूस से तेल खरीदने के लिए ट्रंप से लेनी पड़ रही इजाजत, राहुल गांधी का क्रूर मोदी पर तीखा हमला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज भारत को ईरान या रूस जैसे देशों से तेल खरीदने के लिए भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की इजाजत लेनी पड़ रही है, जो शर्मनाक है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल के कोट्टायम में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की नीतियों पर तीखे प्रहार किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की वजह से भारत की अपनी मर्जी से तेल खरीदने की ताकत खत्म हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत को ईरान या रूस जैसे देशों से तेल खरीदने के लिए भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अनुमति लेनी पड़ती है। उन्होंने केरल की एलडीएफ सरकार को भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा और रबर किसानों के लिए बड़े वादे किए।राहुल गांधी ने जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता करके हमारे किसानों के अधिकार छीन लिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आधुनिक भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने देश की ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। राहुल ने कहा कि आज भारत अपनी मर्जी से पेट्रोल या डीजल नहीं खरीद सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य पूर्व के हालातों की वजह से आर्थिक संकट आने वाला है, लेकिन 140 करोड़ लोगों का देश अपनी मर्जी से तेल नहीं खरीद पा रहा

भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत भुवनेश्वर में गिरफ्तार, किसानों के प्रदर्शन में गए थे, कार्यकर्ताओं में गुस्सा

ओडिशा के भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन चल रहा है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत किसानों को समर्थन देने गए थे, तभी उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत को ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किसानों के धरने-प्रदर्शन में शामिल होने जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया है। इस गिरफ्तारी की खबर फैलते ही भाकियू कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और आक्रोश का माहौल है।भुवनेश्वर में किसानों का आंदोलन 22 मार्च से विभिन्न मुद्दों को लेकर चल रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसान इस आंदोलन में शामिल होने के लिए एकत्र हुए थे। इसी दौरान, आंदोलन में समर्थन देने जा रहे भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत को पुलिस ने रोक लिया और गिरफ्तार कर लिया।भाकियू के जिलाध्यक्ष नवीन राठी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि किसानों के आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओडिशा के किसान जल, जंगल और जमीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाकियू का शीर्ष नेतृत्व इस मामले पर बातचीत कर रहा है और पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि आवश्यकता पड़ी तो इसके विरोध में आंदोलन शुरू किया जा सकता है।

यह गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है जब देश भर में किसानों के मुद्दे एक बार फिर चर्चा में हैं। भाकियू और अन्य किसान संगठन विभिन्न मांगों को लेकर अपनी आवाज उठाते रहे हैं। राकेश टिकैत की गिरफ्तारी को किसानों के आंदोलन को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जिससे किसान संगठनों में असंतोष फैल गया है।

नई योजना बेअसरः वीबी-जी राम जी कानून पर खरगे ने सरकार को घेरा, कहा- मनरेगा कमजोर कर मजदूरों को छोड़ा बेसहारा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर मनरेगा को कमजोर करने और मजदूरों का काम का अधिकार खत्म करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि नई वीबी-जी राम जी योजना जमीन पर नहीं दिख रही। कई राज्यों में काम बंद होने की शिकायतें हैं। सीएजी रिपोर्ट में भी कमियां सामने आई हैं।कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला।

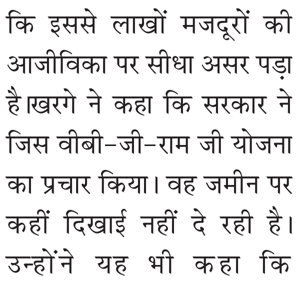

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा के तहत मिलने वाले काम के अधिकार को खत्म कर दिया और नई घोषित योजना का जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं दिख रहा। खरगे ने कहा कि इससे लाखों मजदूरों की आजीविका पर सीधा असर पड़ा है।खरगे ने कहा कि सरकार ने जिस वीबी-जी-राम जी योजना का प्रचार किया। वह जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर कोविड काल की बात करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि उसी समय मनरेगा ने लाखों मजदूरों को राहत दी थी। अब हालात यह हैं कि कई राज्यों में काम बंद होने की शिकायतें आ रही हैं।खरगे ने कहा कि बिहार के मुजफ्फरपुर में पिछले 87 दिनों से 12,000 मजदूर काम न मिलने के कारण प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से भी मनरेगा के काम रुकने की खबरें सामने आ रही हैं। कुछ जगहों पर अधिकारियों को नए काम शुरू न करने के निर्देश मिलने की भी बात कही जा रही है।वीबी-जी राम जी योजना का जमीनी असर कितना? कांग्रेस का आरोप है कि 21 दिसंबर 2025 को अधिसूचित की गई वीबी-जी राम जी योजना का कोई असर नहीं दिख रहा है। खरगे ने कहा कि सरकार ने इसका खूब प्रचार किया, लेकिन मजदूरों को इसका कोई फायदा नहीं मिला। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुरानी योजना कमजोर की जा रही है, तो नई योजना लागू क्यों नहीं हो रही। क्या सीएजी रिपोर्ट में भी सामने आई कमियां?- खरगे ने महाराष्ट्र की सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले पांच साल में मनरेगा के तहत स्वीकृत कामों में से 53 प्रतिशत से भी कम पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि करीब 2.5 लाख काम ऐसे हैं, जो शुरू ही नहीं हो पाए। इससे यह साफ होता है कि योजना को कमजोर किया गया है। खरगे ने कहा कि एलपीजी की कमी और उद्योगों की खराब स्थिति के कारण कई मजदूर शहरों से गांव लौटने को मजबूर हुए हैं। लेकिन गांव में भी उन्हें काम नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे मजदूरों की आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है। सरकार पर क्या है मुख्य आरोप?- कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने मनरेगा को कमजोर कर दिया है और मजदूरों के अधिकार छीन लिए हैं। खरगे ने कहा कि कोविड जैसे मुश्किल समय में मनरेगा ने लोगों को सहारा दिया था, लेकिन अब सरकार उस व्यवस्था को खत्म कर रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि मनरेगा और रोजगार का मुद्दा आने वाले समय में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। ग्रामीण इलाकों में काम और आय की कमी का असर चुनावी माहौल पर भी पड़ सकता है।

नक्सलवाद खत्म, आदिवासियों को मिला असली न्याय;लोकसभा में नक्सलवाद पर बोले अमित शाह

अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है।लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के 12 राज्यों और आदिवासी समाज की ओर से वह इस बहस के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी वर्षों से चाहते थे कि उनकी स्थिति संसद में उठे और पूरी दुनिया सच्चाई जाने, लेकिन उन्हें लंबे समय तक यह मौका नहीं मिला। अब उनकी आवाज राष्ट्रीय स्तर पर पहुंची हैअमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कई आदिवासी सांसद वोट के लालच में कांग्रेस के साथ खड़े रहे, लेकिन उन्होंने अपने समाज के विकास के लिए क्या किया, यह सवाल आज भी खड़ा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने खुद माना था कि माओवादी हिंसा देश की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, लेकिन उस समय कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। कांग्रेस सरकार पर लगाए गए गंभीर आरोप? अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने नक्सलवाद की समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों में विकास नहीं पहुंचाया गया, जिससे वहां असंतोष बढ़ा। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की कमजोरी के कारण ही नक्सलवाद ने जड़ें मजबूत कीं। क्या 2014 के बाद हालात बदले?- उन्होंने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद कई बड़े फैसले हुए। उन्होंने धारा 370 और 35ए हटाने, राम मंदिर निर्माण, जीएसटी लागू करने और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने जैसे फैसलों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन 12 वर्षों में देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत हुई है। नक्सलवाद से मुक्त भारत क्या बोले शाह? ,अमित शाह ने कहा कि अब नक्सलवाद से मुक्त भारत का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की मजबूत नीतियों और सुरक्षा बलों की कार्रवाई का परिणाम है। उन्होंने इसे देश के लिए एक बड़ा बदलाव बताया।

संपादकीय Editorial

IPL Tourism Ticket

A spectacle steeped in the magic of cricket will be presented to your city. Whether you choose the bouquet or change your status, it's up to you. This season, the IPL caravan will once again bring traffic to Dharamshala, where the entire atmosphere will be guided by the Dhauladhar Mountains and the weather. This time, when teams from Delhi, Mumbai, and Bangalore take the field, hosting the Punjab Kings, the grass on the field will be spread out in welcome like the greenery of hope. Meaning, the spectacles that often take place in metropolises like Mumbai, Delhi, and Bengaluru will be relocated to a small town in Himachal. Could we improve tourism with this passion? Could we make our boat sail through sports tourism? Could Dharamshala, the Mecca of international cricket matches in Himachal for many years, be rewarded for its fame? During this time, tourism plans were made, and many projects were launched with the support of the Asian Development Bank, but no one looked back to see how far the cricket caravan could be taken. Analyzing three IPL matches or surveying sports fans will reveal how far this journey can go. Ironically, not a single property of the Tourism Corporation has been built with the intention of channeling all the excitement to its premises. Sports fans who come to Dharamshala with IPL tickets should be deliberated on how to spend their entire week in Himachal. After the matches are announced, either private Volvo buses have already made their destinations or airline flights have set their profitable schedules. If the state wishes, it can transform its transportation, hospitality, and the entire tourism sector with the spirit of this occasion. It can expand the horizons of adventure sports and fill the Pong Lake reservoir with water sports and entertainment. It can also host numerous food festivals and mountain cuisine fairs. Furthermore, it can also open doors to music and music concerts through art festivals. If we consider the IPL's potential at the entry points to Dharamshala, the atmosphere in Una and Jassur-Nurpur could be vibrant. Strengthening highway tourism could boost Himachal's economy on numerous roads. Cricket fans are bringing many opportunities to Himachal. Will the Himachal Tourism Corporation help create attractive packages for them? Has the Tourism Department collaborated with the Himachal Cricket Association to develop its itinerary? If Himachal's temples, lakes, tea gardens, historical and heritage sites, hill stations, and adventure sports venues are included in the cricket itinerary, we can capitalize on this opportunity; otherwise, our destinations will remain silent amidst the noise. On the other hand, if other sports organizations also step forward in support of cricket, tourism will flourish at every event in Himachal. In fact, many initiatives remain incomplete due to the nature of event tourism. Now, if tourists are coming for trekking, neither the Mountaineering Institute nor the Tourism Department is doing anything special, but private players are expanding the itinerary. The private sector has enhanced the tourist experience by introducing the "dham" of various regions of Himachal Pradesh in a short time. Similarly, tourism planning should focus on experiences like food, entertainment, relaxation, and shopping.If the proposed tourist village project in Dharamshala had been completed, cricket tickets would have fueled its existence. It's not just about cricket; if even passing through the Atal Tunnel becomes an event, we must innovate to enhance entertainment. There are incredible tribal experiences that can be preserved and presented. The current government has certainly envisioned the future by charting the expansion of Kangra.

Trump's credibility is at risk, seeking an opportunity to exit the war.

US President Trump is seeking an opportunity to exit the war with Iran, but the conflict continues due to both sides' refusal to accept his terms. Iran's attacks are troubling Gulf countries. After threatening to destroy Iran's power and energy facilities, President Trump first announced a five-day postponement of attacks on these facilities and now announced an extension for a few more days. This suggests he is in a mood for compromise. Although he continues to threaten Iran, the way he extended the deadline for opening the Strait of Hormuz suggests he is seeking a way out of the conflict. Even with such signals, it is difficult to say whether the war between the US, Israel, and Iran will end. This is because Iran is unwilling to retreat without assurances that it will not be attacked again. Just as Iran cannot agree to America's ceasefire terms, neither can the US and Israel. Indeed, this is precisely why the war seems unstoppable. While Israel continues to target Iran, Iran is simultaneously launching missiles against its neighbors. Naturally, these countries' patience is wearing thin. These countries are increasingly worried that Iran is also targeting their civilian and energy installations. If the Gulf countries launch retaliatory attacks against Iran, the war will reach a new turning point. This is undoubtedly something neither Trump nor the rest of the world would want, as the energy crisis shows no signs of abating. Not only India and other Asian countries, but Europe and the United States are also affected. Iran, which has blocked the Strait of Hormuz, is directly responsible for this energy crisis, but the US, which, without thinking, launched an attack on Iran in collaboration with Israel, is indirectly responsible. Iran's retaliatory actions have not only troubled the US and Israel, but also neighboring countries. If Iran continues to retaliate for a longer period, the US President may be forced to soften his stance. In this situation, his influence will be diminished—not only in the US, but also on international platforms. It should be noted that he is being held responsible for the global energy crisis, and opposition to him is growing domestically. Before the Iran war, his credibility and reputation had already been eroded by his attacks on Venezuela and his arbitrary tariff policies that harassed the world, including his allies.

Fears of Increasing Instability

Will such an offer of talks reset all West Asian equations, or will it again be a temporary pause? Its fate will be determined not by mere rhetoric, but by intentions, in which trust will play a crucial role. The US-Iran conflict: A complex juggle of pressure and diplomacy continues. Trump's "maximum pressure" strategy attempts to force Iran into negotiations. The future depends on trust, raising the prospect of regional instability or new equations. The ongoing war in West Asia has entered its fourth week, and there is no sign of a cessation. This war, rather than a typical military confrontation in West Asia, reflects the familiar jugglery of pressure and diplomacy. The US has long employed these tactics against Iran. This war appears to be an extension of them. While US President Donald Trump, known for his grand pronouncements, has hinted at a comprehensive solution, it is also true that the lines regarding war are becoming blurred. In this fog, both the motives and consequences of war remain unclear. The US had already pressured Iran on certain points, such as a halt to uranium enrichment, a complete halt to its nuclear program, and the dismantling of its sponsored proxy organizations. These were conditions Iran would never agree to. The only remaining option was war, initiated by Israel and supported by the US. This underscores a traditional provocation sequence, in which diplomacy is first presented as an ultimatum and then used as a basis for military action. On the other hand, Iran has denied its nuclear ambitions, but its ambitions to expand its role in the region and its ever-growing capabilities have raised some suspicions. Trump's stance appears to be shifting amid growing uncertainty about war. On March 23, Trump announced that he had had "very good and productive talks" with Iran. Previously, he had issued an ultimatum to attack Iranian energy facilities, and then, citing the same talks, offered to postpone it for five days. However, Iran was quick to reject Trump's negotiation tactics. Iran has already rejected America's 15-point agenda and put forward five clear demands. Whatever the outcome of this process, the US has repeatedly reiterated that Iran will not be allowed to acquire nuclear weapons at any cost. This reiteration gives diplomacy a clear purpose. Amidst all this, the atmosphere surrounding these talks is also noteworthy. Such as speculation about Pakistan's role as a mediator and a possible meeting in Islamabad between the Speaker of the Iranian Parliament and Trump's special representatives. It is not known how much truth there is in this, but it is certain that diplomatic options are being explored. The rhetoric from all camps can be seen as a means of pressure and counteraction. The current scenario is consistent with Trump's well-known style, where he prioritizes bargaining through maximum pressure. Under this pressure strategy, Iran has long been portrayed as a country that spreads instability. Especially its nuclear capabilities and the ever-looming threat they pose to Israel's very existence. In this narrative, military action is portrayed as both defensive and offensive. First, to punish Iran, and second, to blunt its capabilities to the point where it has no other option but to negotiate. Any potential agreement is then portrayed as benevolent, but this leaves Iran with no options. If the issue of removing enriched uranium were to arise in any potential negotiations, sovereignty would also be a factor. Questions would also arise about whether such a move would be feasible. It seems unlikely that agreement will be reached in Tehran. Iran's categorical refusal to hold formal talks highlights both suspicion and tension. Israel fears that easing tensions would diminish the significance of its hard-won achievements. If such a framework were to come into place, it would undoubtedly have far-reaching implications. It would not only completely expose Iran's nuclear program but also curb its proxy organizations. As a result, the regional balance of power could undergo a major shift. The opening of the Strait of Hormuz could stabilize the energy market and provide some relief to the global economy. For Washington, it would also be a stepping stone to achieving its goals, freeing it from the burden of prolonged military intervention. Its credibility and efforts on nuclear non-proliferation would gain prestige. This also carries its own risks. Iran has a unique strategic culture, characterized by its firmness under pressure. If it believes any ceasefire is temporary and tactical, negotiations could be disrupted. This could result in attacks on key energy installations. This would increase instability throughout the region and worsen the trend in energy prices. If disagreements between the US and Israel over strategic advantage increase, their equations will also change. The scenario now emerging, rather than leading to peace, suggests that in the coming days, the future will be fraught with conflict. The conflict will continue in other forms. Through a variety of diplomatic overtures, Trump is attempting to translate his strategic gains into diplomatic results. Will such an offer of dialogue reset the entire equation in West Asia, or will it again be a temporary pause? Its fate will be determined not by mere rhetoric, but by intentions, in which trust will be crucial.

The Habit of Criticism

It's true that their evacuation from Hormuz was not easy, but isn't it a victory for Indian diplomacy that Iran, calling India a friendly country, is allowing its ships to pass? Congress is calling the government's diplomacy on the West Asia crisis a failure. The opposition is offering no constructive suggestions on resolving the energy crisis. India's diplomacy is ensuring the safe passage of oil tankers through Hormuz. It's no surprise that even after an all-party meeting on the West Asia crisis, the opposition, and especially Congress, continues to see the Indian government's diplomacy as a failure in the war between the US, Israel, and Iran. Congress has been criticizing the Indian government since the first day of this war. It's making it appear as if India has any role or direct or indirect involvement in this war. Everyone knows that India has nothing to do with this war, but Congress leaders are unwilling to understand this. An even bigger problem is that they want the Indian government to do as they say in the West Asian crisis, but they have no answer for how the energy crisis created by this war should be resolved. There's no denying that the global energy crisis is affecting the country, and gas shortages are being experienced in some places, but the situation in many countries is far more serious than in India. Instead of understanding this, the Congress party is creating an atmosphere that the country's gas shortage has arisen due to some mistake by the Prime Minister, while the government is sitting idle. This is not only extreme negativity, but also an insistence on not demonstrating unity on any issue, even foreign policy. It seems that the Congress party doesn't have the word "constructive cooperation" in its vocabulary, and it has even forgotten that the opposition's job is to offer positive suggestions. Congress refuses to accept that the Indian government is making every effort to prevent the energy crisis from worsening and is now negotiating oil and gas purchase deals with more countries. Despite this, Congress remains unperturbed. It refuses to acknowledge that despite Iran's closure of the Strait of Hormuz, Indian oil and gas tankers are still able to pass through. It's true that their passage through Hormuz is difficult, but isn't it a victory for Indian diplomacy that Iran, calling India a friendly country, is allowing its ships to pass? Congress also took offense when, regarding Pakistan's alleged mediation between the United States and Iran, Foreign Minister Jaishankar stated that India is not a broker country like Pakistan. In fact, Congress is not accustomed to protesting just for the sake of protesting; it doesn't spare even a moment's delay in criticizing the government. Its spokesperson, without even realizing it, implied that Pakistan was exchanging messages rather than mediating.

दावत के बीच बिरयानी खत्म, चल गई कुर्सियां: अमरोहा में शादी समारोह में मारपीट, पानी के कैंपर से हमला

मामला हसनपुर के एक बैंक्वट हॉल का है। बरातियों और घरातियों के लोग खाना खा रहे थे। जबकि घराती पक्ष के कुछ युवक खाना परोस रहे थे। शादी समारोह पूरी तरह सामान्य चल रहा था, लेकिन

इसी बीच बिरयानी खत्म हो का है। बरातियों और घरातियों घराती पक्ष के कुछ युवक खाना सामान्य चल रहा था, लेकिन समारोह में भोजन परोसने में के बीच शुरू हुई कहासुनी चलीं। एक-दूसरे पर पानी के वीडियो सोशल मीडिया पर पर पुलिस मामले की जांच के एक बैंक्वट हॉल का है। यहां कोतवाली क्षेत्र के गांव घरातियों के लोग खाना खा युवक खाना परोस रहे थे। रहा था, लेकिन इसी बीच में देरी होने लगी। इसी को प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फेंकनी शुरू कर दीं और बैंक्वट लोग पानी के कैंपर तक की कोशिश करते नजर आए।

गईमामला हसनपुर के एक बैंक्वट हॉल के लोग खाना खा रहे थे। जबकि परोस रहे थे। शादी समारोह पूरी तरह इसी बीच बिरयानी खत्म हो गईशादी देरी होने पर बरातियों और घरातियों मारपीट में बदल गई। जमकर कुर्सियां कैंपर भी फेंके गए। घटना का एक वायरल हो रहा है। जिसके आधार में जुट गई है।व्य ह मामला हसनपुर शनिवार की शाम करीब छह बजे बरात आई थी। बरातियों और रहे थे। जबकि घराती पक्ष के कुछ शादी समारोह पूरी तरह सामान्य चल बिरयानी खत्म हो गई। बिरयानी बनने लेकर कहासुनी ने बड़ा रूप ले लिया। गुस्साए लोगों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां हॉल में अफरा-तफरी मच गई। कुछ उठाकर एक-दूसरे पर हमला करने इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर हाथापाई हुई, जिससे वहां मौजूद महिलाओं, बच्चों और अन्य मेहमानों में दहशत फैल गई और भगदड़ जैसे हालात बन गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि लोग एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंक रहे हैं और मारपीट कर रहे हैं। सीओ पंकज त्यागी ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है हालांकि, इस संबंध में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

देवर के लिए मार डाला पति: हाथ-पैर बांधकर गला रेता, फिर छह जगह से काटा, विवाद के एक हफ्ते में ली जान; खुले राज

राजमिस्त्री मेहराज की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी रूही ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कराई। रूही का प्रेमी से प्रेम-प्रसंग था। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रूही समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के पिपलोती कलां गांव में शनिवार रात राजमिस्त्री मेहराज की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उसके हाथ-पैर बांधकर गला रेता और छह जगह से काटा। पुलिस जांच में सामने आया कि पत्नी रूही ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर यह वारदात की। रूही का अपनी बहन के

देवर से प्रेम-प्रसंग था। मृतक के पिता ने बहू और दो रूही समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है। यह है कलां गांव में शनिवार रात घर के टिनशेड में सो रहे हाथ-पैर बांधकर धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या पैर और पेट समेत छह जगह से धारदार हथियार से रूही और बच्चे भी पास ही सो रहे थे। पुलिस की जांच देवर के साथ मिलकर पति की हत्या कराई है। मृतक के प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने पत्नी समेत दो लोगों परिजनों के मुताबिक मेहराज उर्फ मिराज राजमिस्त्री थे। साथ घर के टिनशेड में अलग-अलग चारपाइयों पर सोए पहुंचे तो मेहराज को खून से लथपथ पड़ा देखा। उसके यह देख परिवार में चीख-पुकार मच गई। मौके पर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू घटनास्थल का मुआयना किया। फोरेंसिंक एक्सपर्ट की था प्रेम-प्रसंग-एसपी ने बताया कि मेहराज की पत्नी प्रसंग चल रहा है। इसीलिए रूही मेहराज के साथ रहने आया है कि रूही ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या होने की बात सामने आई है। उठा सवाल, क्या नींद की से हत्या हुई है। उससे इस तरफ भी इशारा होता है कि हो। किसी तरह से उसे नींद की गोली या अन्य कुछ ऐसी रही रहा और आसानी से उसके हाथ-पैर रस्सी से बांध

अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला-हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के पिपलोती राजमिस्त्री मेहराज उर्फ मिराज (30) की कर दी गई। हमलावरों ने गला, दोनों हाथ-बेरहमी से काटा।घटना के समय उनकी पत्नी में सामने आया कि रूही ने ही अपने रिश्ते के पिता ने बहू और दो अज्ञात पर हत्या की को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शनिवार रात वह अपनी पत्नी और बच्चों के थे। रविवार सुबह जब उनके पिता मोमीन हाथ-पैर बंधे थे और गर्दन पर गहरे घाव थे। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना की। एसपी अमित कुमार आनंद ने भी टीम ने साक्ष्य जुटाए। बहन के देवर के साथ रूही का अपनी बहन के देवर के साथ प्रेम-को तैयार नहीं थी। पूछताछ के दौरान सामने की है। एक अन्य आरोपी के घटना में शामिल गोली भी खिलाई थी-मेहराज की जिस तरह उसकी हत्या से पहले उसे बेहोश किया गया दवाई प्रयोग की गई हो, जिससे वह सोता दिए। इसके बाद उसके काटा गया। अपनों का खून करते नहीं कांपे हाथ-अपनों के खून के लिए हसनपुर क्षेत्र पहले से ही बदनाम है। वर्ष 2008 में गांव बावनखेड़ी में शबनम ने प्रेमी के साथ मिलकर माता, पिता, भाई-भाभी समेत सात लोगों का कत्ल कर दिया था। इसके बाद अब फिर एक महिला ने अपने ही प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। राजमिस्त्री की उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर गला रेतकर हत्या की है। पिता की तहरीर पर पत्नी समेत तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ की जा रही है। जल्द ही खुलासा किया जाएगा। – अमित कुमार आनंद, एसपी अमरोहा सात दिन से दंपती में हो रहा था विवाद, पत्नी ने किया था साथ रहने से इन्कार- क्षेत्र के गांव पिपलौती कला में राजमिस्त्री मेहराज उर्फ मिराज की हत्या के बाद ये बात सामने आई है कि मेहराज का अपनी पत्नी से कई दिनों से विवाद चल रहा था। पत्नी ने अपने पति के साथ रहने से साफ इन्कार कर दिया था। मृतक की चाची ने बताई ये बात- मृतक मेहराज की चाची इस्तकीन के अनुसार पति-पत्नी के बीच विवाद की चिंगारी 21 मार्च यानी ईद के दिन सुलगी थी। उसके बाद से दोनों के बीच सुलह नहीं हो सकी। रूही अपने पति मेहराज के साथ रहने को कतई तैयार नहीं थी। आलम यह था कि पिछले एक सप्ताह से घर में चूल्हा तो जल रहा था, लेकिन मेहराज के लिए नहीं। रूही उसे खाना तक नहीं दे रही थी, जिस कारण मेहराज को मोहल्ले में अपने रिश्तेदारों और कुनबे के अन्य घरों में जाकर खाना खाना पड़ रहा था। दो मासूमों के सिर से उठा साया- मेहराज की मौत से दो मासूमों के भविष्य भी मुश्किल में पड़ गया है। बड़ा बेटा फरहान (05) और छोटा बेटा अली (03) अब पूरी तरह अनाथ जैसे हो गए हैं। पिता की हत्या हो चुकी है और मां पर ही कत्ल का संगीन आरोप है। गांव में चर्चा है कि आपसी कलह ने हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। रूही के गांव के ही एक रिश्तेदार से थे प्रेम संबंध- मृतक मेहराज की पत्नी रूही का एक तरफ जहां अपने ही पति से विवाद चल रहा था। तो दूसरी तरफ उसकी गांव के ही एक रिश्तेदार से गहरी दोस्ती थी। उससे प्रेम संबंध में थी। वह रिश्ते में देवर लगता है। चर्चा ये भी है कि रूही उस रिश्तेदार से ही शादी करना चाहती थी। पुलिस ने उस रिश्तेदार को भी हिरासत में ले लिया है। डीजे के शोर में दब गई मौत की चीख- शनिवार की रात गांव पिपलौती कला में माहौल उत्सव का था। गांव में अलग-अलग स्थानों पर तीन शादी समारोह चल रहे थे। देर रात तक डीजे की तेज आवाजें गूंजती रहीं। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के वक्त जब मेहराज ने जान बचाने के लिए संघर्ष किया होगा या चिल्लाया होगा, तो उसकी आवाजें डीजे के शोर में दब गईं। खून से सने मासूम बेटे के कपड़े- घटना का सबसे हृदय विदारक पहलू यह रहा कि जिस चारपाई पर मेहराज का गला रेता गया, उसी पर उसका पांच वर्षीय बड़ा बेटा फरहान भी सो रहा था। हत्या के दौरान पिता के खून के छीटें मासूम के कपड़ों पर भी पड़े। सुबह जब आंख खुली तो बिस्तर खून से लथपथ था और पिता का शव पास ही पड़ा था। मासूम फरहान इस मंजर को देखकर गहरी दहशत में है।

नंबर लेकर डांस टीचर से बातचीत, मां से मिलाने के बहाने शारीरिक शोषण, अब दे रहा धमकी

मुरादाबाद निवासी डांस टीचर ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उसका आरोप है कि शादी का झांसा देकर युवक ने उसका शारीरिक शोषण किया। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती ने डांस टीचर पर शादी का वादा करके शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर डांस टीचर समेत चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है।28 वर्षीय युवती ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि करीब छह साल पहले जिगर मंच पर मझोला के लाइन पार सूर्यनगर निवासी आकाश सैनी से मुलाकात हुई थी। आरोपी ने उस वक्त उसका मोबाइल नंबर ले लिया था।इसके बाद आरोपी ने बातचीत शुरू कर दी थी। आरोपी ने उसके सामने शादी करने का प्रस्ताव रखा और एक दिन अपने मां बाप से मिलवाने के बहाने अपने घर ले गया। आरोप है कि आरोपी ने उससे शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी आकाश सैनी जयंतीपुर स्थित अपनी डांस अकादमी और अपने दोस्त के घर भी ले गए और वहां भी शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी शादी करने के इन्कार करने लगा। पीड़िता ने शादी को कहा तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी और जाति सूचक शब्द कह कर उसे अपमानित किया। 17 मार्च की रात करीब आठ बजे पीड़िता मंदिर गई थी। इसी दौरान आरोपी आकाश ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी आकाश फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर चला गया। 23 मार्च की शाम करीब सवा सात बजे आरोपी आकाश अपने भाई विजय सैनी और मां कमला सैनी के साथ उसके घर में घुस आए और मारपीट की। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी आकाश सैनी, उसके भाई विजय सैनी, मां कमला सैनी और एक अन्य महिला पूजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद से शासन को भेजी गई मैनाठेर बवाल की रिपोर्ट, अब सरकार लेगी बंद फाइल खुलवाने का निर्णय

मुरादाबाद के बहुचर्चित मैनाठेर बवाल मामले में अदालत ने 16 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके बाद अधिकारियों ने पूरी रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेज दी है। शासन इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पहले से बंद की गई फाइलों को दोबारा खोलने पर भी विचार कर सकता है।मैनाठेर बवाल से संबंधित मुकदमों और 16 दोषियों को सजा सुनाए जाने के मामले में पुलिस अफसरों ने रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी है। बंद फाइलों को दोबारा खोलने का निर्णय भी लिया जा सकता है। जिस तरह लगातार इस मामले पर नजर रखी जा रही है उससे माना जा रहा है कि मैनाठेर बवाल की बंद फाइलें दोबारा खुल सकती हैं।23 मार्च को एडीजे- दो कृष्ण कुमार सिंह की अदालत ने मैनाठेर बवाल में 16 मुलजिमों को दोषी करार दिया था। इसके बाद ही शासन ने इस मामले में रिपोर्ट तलब कर ली थी। 28 मार्च को कोर्ट ने 16 दोषियों को आजीवन कारावास और 55-55 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। इसके बाद पुलिस अफसरों की ओर से शासन को रिपोर्ट भेज दी है।जिसमें बताया कि छह जुलाई 2011 को मैनाठेर के असालतनगर में मुस्लिम नाम के युवक की तलाश में पुलिस ने दबिश दी थी। इसके बाद आरोपी के परिजन और अन्य लोगों ने साजिश के तहत धार्मिक पुस्तक का अपमान लगाकर हंगामा किया और मुरादाबाद लखनऊ मार्ग पर तीन जगह जाम लगा दिया था। डींगरपुर चौकी और मैनाठेर थाने में आग लगा दी थी और पुलिस कर्मियों पर हमला कर हथियार छीन लिए थे।तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार सिंह पर हमला किया था। उसी दिन मैनाठेर थाने में थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बलवा, आगजनी समेत अन्य धाराओं में 14 नामजद और 300 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें पांच आरोपी गिरफ्तार भी किए गए थे लेकिन 11 जुलाई 2012 को फाइनल रिपोर्ट (एफआर) लगा दी गई। दूसरी प्राथमिकी इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार की ओर से लिखवाई गई थी। जिसमें 30 नामजद और 300-350 अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। इस मामले में आठ लोगों की गिरफ्तारी भी की गई थी।नौ अक्तूबर 2011 को आठ आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल गई। इस मामले में अदालत ने सभी को दोषमुक्त कर दिया। तीसरी प्राथमिकी पीएसी के हेड कांस्टेबल की ओर से दर्ज कराई गई थी। जिसमें 15 नामजद आरोपी बनाए गए थे लेकिन 11 जुलाई 2012 को इस मामले में एफआर लगा दी गई। चौथी प्राथमिकी बिलारी थाने के इंस्पेक्टर राजीव कुमार की ओर से लिखाई गई थी। जिसमें दो नामजद आरोपी बनाए गए लेकिन 11 जुलाई 2012 में फाइनल रिपोर्ट लगा दी गई।पांचवां मुकदमा डींगरपुर पुलिस चौकी के कांस्टेबल उपदेश कुमार की ओर से लिखाई गई थी। जिसमें 28 आरोपी नामजद किए गए थे। दो आरोपी गिरफ्तार किए गए थे लेकिन दो आरोपियों के खिलाफ 13 नवंबर 2011 को चार्जशीट दाखिल की गई थी। जिसे शासन ने 2012 में वापस ले लिया था। इस मामले में डीआईजी अशोक कुमार के पीआरओ की ओर से लिखाया गया था। जिसमें 33 नामजद और 300 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें 25 आरोपी गिरफ्तार किए गए थे।इनके खिलाफ एक अक्तूबर 2011 को आरोप पत्र दाखिल किया गया था। इनमें तीन की मृत्यु हो गई जबकि छह नाबालिग होने के कारण किशोर न्याय बोर्ड में सुनवाई चल रही है। 28 मार्च 2026 को एडीजे- दो कृष्ण कुमार की अदालत ने 16 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि मैनाठेर बवाल से संबंधित मुकदमों और एक मुकदमे में सजा सुनाए जाने के मामले की रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजी गई है।कांग्रेस ने तत्कालीन डीएम पर कार्रवाई करने की मांग की- मुरादाबाद के जिला कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मैनाठेर कांड के दौरान घायल डीआईजी को छोड़कर भागे तत्कालीन डीएम पर प्रदेश सरकार ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्यमंत्री को ऐसे अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनोद गुंबर का कहना है कि 15 साल पहले मैनाठेर कांड में तत्कालीन डीआईजी अशोक कुमार बुरी तरह घायल हुए थे। घटना के समय तत्कालीन डीएम राज शेखर भीड़ में डीआईजी को घिरा छोड़कर चले गए थे। उस समय बसपा की सरकार थी।इस मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। 16 लोगों को उम्र कैद की सजा भी हुई है

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिलाओं वे बालिकाओं को सरकारी योजनाओं तथा हेल्प लाइन नंबरों के बारेमे जागरूक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज अ-5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सरकार द्वारा चलाई जा रह विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे-विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई

व पंपलेट वितरण किए गए रूस्ज्ञ 02 थाना mughalpura जनपद मुरादाबाद

एस एच इंटर कॉलेज इमरतपुर उधो कुंदरकी मुरादाबाद मे वार्षिक परीक्षाफल 2026 घोषित

परीक्षाफल प्राप्त करके छात्राओं के चेहरे खिले

क्यूँ न लिखूँ सच/ एस एच इंटर कॉलेज इमरतपुर उद्यो कुंदरकी मुरादाबाद में आज दिनांक 30 मार्च 2026 को वार्षिक परीक्षा पर घोषित किया गया जिसमें विद्यालय के प्रबंधक प्रधानाचार्य अध्यापक अध्यापिकाए और अभिभावक उपस्थित रहे छात्र छात्राओं में से नर्सरी क्लास में मायशा पुत्री नफीस अहमद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान काव्य पुत्री श्री संजीव सिंह तृतीय स्थान शिवांश पुत्र श्री अजीत सिंह ने प्राप्त किया कक्षा के जी में प्रथम स्थान असना फातिमा पुत्री इमरान द्वितीय स्थान रियाज अली पुत्र श्री सलीम तथा तृतीय स्थान सिद्धार्थ पुत्र श्री संजीव सिह ने प्राप्त किया कक्षा एक में अमृता पुत्री श्री प्रमोद कुमार ने प्रथम स्थान द्वितीय स्थान अभिनेश पुत्र श्री प्रमोद कुमार तृतीय स्थान हम्माद रजा पुत्र श्री नूर हसन ने प्राप्त किया कक्षा

2 में प्रथम स्थान हस्सान अली पुत्र श्री आशकार हुसैन द्वितीय स्थान युगराज पुत्र श्री हरभजन सिह तथा तृतीय स्थान अरशद पुत्र श्री मौ इस्लाम ने प्राप्त किया कक्षा तीन में प्रथम स्थान आलिया पुत्री श्री आसिफ हुसैन तथा द्वितीय स्थान इज्मा खातून पुत्री श्री मौ वसीम तृतीय स्थान सौरभ पुत्र श्री कृष्ण लाल ने प्राप्त किया

कक्षा चार में प्रथम स्थान दीक्षा पुत्री श्री सुरेश सिंह द्वितीय स्थान अफशीन पुत्री श्री मौ रशिद तथा तृतीय स्थान आलिया फातिमा पुत्री श्री मौ इदरीश ने प्राप्त किया कक्षा 5 में प्रथम स्थान मोहम्मद अनस पुत्र श्री फरमान हुसैन द्वितीय स्थान रिशा पुत्री श्री रामचन्द्र सिंह तथा तृतीय स्थान बुशरा श्री नफीस अहमद ने प्राप्त किया कक्षा 6 में प्रथम स्थान आकिब पुत्र श्री शफीक अहमद द्वितीय स्थान शिवम पुत्र श्री तोताराम तथा तृतीय स्थान अयान पुत्र श्री मोहम्मद रजाबुल ने प्राप्त किया कक्षा 7 में अलकमा पुत्री श्री मौ नईम द्वितीय स्थान अलफ़िज़ा

पुत्री श्री मोहम्मद राहिल तथा तृतीय स्थान सृष्टि श्री प्रमोद कुमार ने प्राप्त किया कक्षा 8 में प्रथम स्थान सलोनी पुत्री श्री रमेश सिंह द्वितीय स्थान दीपिका पुत्री श्री सुरेश सिंह तथा तृतीय स्थान निधि पुत्री श्री दिनेश कुमार ने प्राप्त किया कक्षा 9 में प्रथम स्थान रिजा फातिमा पुत्री श्री अकिल हुसैन द्वितीय स्थान उपासना पुत्री श्री वीर सिंह तृतीय स्थान सुमय्या पुत्री श्री बाबू हुसैन ने प्राप्त किया कक्षा 11 में प्रथम स्थान राखी पुत्री श्री भूरे सिंह द्वितीय स्थान अल शिफा पुत्री श्री नफीस अहमद तथा तृतीय स्थान पल्लवी पुत्री श्री होशियार सिंह ने प्राप्त किया इन समस्त छात्राओं में से स्कूल को टॉप करने वाली छात्रा कक्षा एक की अमृता पुत्री श्री प्रमोद कुमार तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा मायशा पुत्री श्री नफीस अहमद कक्षा नर्सरी तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सलोनी पुत्री श्री रमेश सिंह कक्षा 8 रही सभी छात्र छात्राओं को विद्यालय प्रबंधक द्वारा शील्ड व रिजल्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया और विद्यालय प्रबंधक श्री मोसिम पाशा ने सभी छात्र छात्राओं अध्यापक अध्यापिकाओं तथा प्रधानाचार्य को रिजल्ट अति उत्तम होने के कारण सभी का आभार व्यक्त किया और 1 अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ होने की घोषणा की और 1 अप्रैल सन 2026 से नए प्रवेश प्रारंभ किये जाएंगे और समस्त छात्र छात्राएं 1 अप्रैल 2026 से समय से विद्यालय में पढ़ने के लिए उपस्थित हो धन्यवाद

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन व उपकरण वितरण, 63 केंद्र भवनों का लोकार्पण, 6 परियोजना कार्यालयों का हुआ शिलान्यास

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली में हुआ सजीव प्रसारण, जनप्रतिनिधि द्वारा वितरित किए स्मार्टफोन व नियुक्ति पत्र बरेली। योगी आदित्यनाथ द्वारा सोमवार को लोक भवन सभागार, लखनऊ में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन, ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/ सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र भवनों एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय भवनों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बरेली कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति रही। 207 मुख्य सेविकाओं/ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन वितरित किए गए 780 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस प्रदान किए गए

08 नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र दिए गए

3 करोड़ 48 लाख की लागत से बने 06 बाल विकास परियोजना कार्यालयों का शिलान्यास-7 करोड़ 56 लाख की लागत से बने 63 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का लोकार्पण किया गया विधायक कैंट संजीव अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्मार्टफोन और उपकरण मिलने से उनके कार्य में गति आएगी और बच्चों के स्वास्थ्य व पोषण में सुधार हो । जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कहा कि शासन का उद्देश्य सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शत-प्रतिशत स्मार्टफोन और डिवाइस उपलब्ध कराना है, जिससे उनकी कार्यशैली आधुनिक और प्रभावी बन सके। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और विकास की नींव आंगनबाड़ी केंद्रों से ही पड़ती है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के अधिकारी, मुख्य सेविकाएं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

धोबी तालाब पर अवैध कब्जे की शिकायत : जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर पालिका परिषद बहेड़ी के धोबी तालाब पर भू-माफियाओं द्वारा गलत बैनामा कर कब्जे के प्रयास की शिकायत पर गठित त्रिसदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। यह शिकायत 20.09.2025 को तहसील दिवस में सभासदों द्वारा की गई थी, जिसमें नगर पालिका के कुछ अधिकारियों की संलिप्तता भी बताई गई थी। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उपजिलाधिकारी आंवला व तहसीलदार सदर की समिति गठित कर स्थलीय व अभिलेखीय जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि गाटा संख्या 234 (रकबा 0.986 हे.) राजस्व अभिलेखों में तालाब के रूप में दर्ज है। संबंधित 9 बिस्वा भूमि पर किसी का कब्जा नहीं है और वह वर्तमान में जलमग्न है। मौके पर जो विवाद है, वह सड़क किनारे स्थित गाटा संख्या 462 (3 बिस्वा) को लेकर है, जिस पर अन्य गाटों के बैनामेदार अवैध कब्जे का प्रयास कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बहेड़ी व अधिशासी अधिकारी को जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

12 अप्रैल के सामूहिक विवाह को सफल बनाने के लिए समाज एकजुट

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली में 12 अप्रैल को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह को सफल बनाने के लिए सोमवार को ब्रह्मपुरा स्थित कुर्मी क्षत्रिय छात्रावास में समाज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

इसमें आयोजन की तैयारियों, व्यवस्थाओं और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग और सादगीपूर्ण विवाह की परंपरा को बढ़ावा देते हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी सम्मानपूर्वक अपने बच्चों का विवाह कराने में मदद मिलती है। पदाधिकारियों ने कहा कि सामूहिक विवाह केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम भी है। कार्यक्रम को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभिन्न समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने पर सहमति बनी।

बैठक में बारात स्वागत, भोजन व्यवस्था, पंडाल, रजिस्ट्रेशन, अतिथि सत्कार और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से अधिक से अधिक सहयोग करने और जरूरतमंद परिवारों तक इस आयोजन की जानकारी पहुंचाने की अपील की। साथ ही भरोसा जताया कि सभी के सहयोग से 12 अप्रैल का सामूहिक विवाह समारोह सफल और यादगार बनेगा। बैठक में अध्यक्ष के.पी. सेन गंगवार, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार, रामऔतार गंगवार, मूलचंद गंगवार, मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार, सदस्य युधिष्ठर प्रसाद गंगवार, खेमेन्द्र पाल सिंह, भद्र पाल गंगवार, तेज पाल गंगवार समेत समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और आयोजक मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में प्रवेश प्रकोष्ठ का उद्घाटन, सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, बरेली में सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया के तहत प्रवेश प्रकोष्ठ का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति (रजि), बरेली के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल (राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित) एवं शिक्षा उन्नयन समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. के. के. अग्रवाल, चीफ प्राक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डीन मंयक शर्मा, प्रवेश समिति की समन्वयक डॉ. रेशू जौहरी, इंजीनियर धीरज अग्रवाल सहित प्रदेश समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने कहा कि महाविद्यालय पिछले 28 वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और इसकी गरिमा को और ऊंचाइयों तक ले जाना हम सभी का दायित्व है। वहीं शिक्षा उन्नयन समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने महाविद्यालय के योगदान को सराहते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बताया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. के. के. अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाविद्यालय को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाए रखने के लिए सभी मिलकर निरंतर प्रयासरत रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रवेश प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले हैंडबिल एवं मैनेजमेंट फेस्ट 2026 के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर निशा परवीन, डॉ. गुंजन अग्रवाल, डॉ. पूजा अग्रवाल, डॉ. नाजो बी, डॉ. आरती बंसल, अर्चना रानी, अंशिका सक्सेना, संचित कक्कड़, अजीत सिंह, डॉ. सुमित अग्रवाल, शोभित अग्रवाल, संजीव कुमार सक्सेना, प्रथमेश कुमार, राकेश कुमार, शैलेष गुप्ता, प्रफुल्ल पाठक सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं प्रवक्तागण उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज, बच्चे को पड़ सकती है बोन मैरो ट्रांसप्लांट की जरूरत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली- बोन मैरो ट्रांसप्लांट (क्क्रूज्ञ) तब किया जाता है जब बच्चे का बोन मैरो स्वस्थ ब्लड सेल्स बनाने में सक्षम नहीं रहता। बोन मैरो शरीर में रेड वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स बनाता है, जो ऑक्सीजन पहुंचाने, संक्रमण से लड़ने और ब्लीडिंग रोकने में अहम होते हैं।

बार-बार बुखार आना, इंफेक्शन होना, घाव देर से भरना या बार-बार बीमार पड़ना कमजोर इम्युनिटी के संकेत हो सकते हैं। कुछ मामलों में यह स्ट्वष्ठ या ड्ड्ढह्यद्मश्वह्लद्ब, द्घस्रह्लद्बष्द्ध स्4ठ्ठस्रह्लश्वद्ग जैसी बीमारियों से जुड़ा हो सकता है। वहीं, हीमोग्लोबिन, प्लेटलेट्स और व्हाइट सेल्स की कमी बोन मैरो फेल्योर (जैसे एप्लास्टिक एनीमिया या फैनकोनी एनीमिया) का संकेत हो सकती है।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, पटपड़गंज के हीमैटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. सत्येंद्र कटेवा के अनुसार, लगातार थकान, पीली त्वचा, सांस लेने में तकलीफ, खेल-कूद में कमी, जल्दी ब्लीडिंग, नाक या मसूड़ों से खून आना, शरीर पर नीले निशान या लाल धब्बे प्लेटलेट्स की कमी या गंभीर ब्लड डिसऑर्डर के संकेत हो सकते हैं। कुछ मामलों में ये ल्यूकेमिया जैसी बीमारियों से जुड़े होते हैं। इसके अलावा, लिम्फ नोड्स में सूजन, पेट में सूजन, जोड़ों में दर्द, बिना कारण बुखार या वजन घटना भी गंभीर संकेत हो सकते हैं। हालांकि, हर मामले में बोन मैरो ट्रांसप्लांट जरूरी नहीं होता। सही जांच (ब्लड और बोन मैरो टेस्ट) के बाद ही डॉक्टर निर्णय लेते हैं। इसलिए इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय पर विशेषज्ञ से सलाह लें, ताकि बच्चों को सही समय पर उपचार मिल सके।

54वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ डीएम ने किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नाथ नगरी बरेली एक बार फिर राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए खेल प्रतिभाओं के महाकुंभ की साक्षी बनी।

फयूचर विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित 54वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह एवं कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने किया। उद्घाटन समारोह पूरे उत्साह, गरिमा और खेल भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक गरिमामय वातावरण में हुई, जहां मुख्य अतिथियों ने हैंडबॉल को गोलपोस्ट में डालकर प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस प्रतीकात्मक शुरुआत ने खिलाड़ियों और दर्शकों में जोश का संचार कर दिया। इसके पश्चात जिलाधिकारी एवं विधायक ने विभिन्न राज्यों से आई टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों को भी विकसित करते हैं। वहीं कैंट विधायक श्री संजीव अग्रवाल ने कहा कि बरेली में इस तरह के बड़े खेल आयोजनों का होना शहर के लिए गर्व की बात है और इससे स्थानीय खिलाड़ियों को भी नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। जिला ओलंपिक संघ बरेली के अध्यक्ष डॉ. आशीष गुप्ता ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि बरेली में राष्ट्रीय स्तर की हैंडबॉल प्रतियोगिता का यह तीसरा सफल आयोजन है। इस अवसर पर जिला ओलंपिक संघ के संरक्षक धर्मेंद्र गुप्ता सचिव रौनक सिंह बग्गा एवं अभिमन्यु गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता आर एस ओ, चंचल मिश्रा, महासचिव फसील बेग सोनू सिरोटिया आदि समेत विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीतापुर की टेक्सटाइल इंजीनियर पूर्णिमा बनीं पीसीएस अफसर, राज्यपाल से पा चुकी हैं सम्मान

सीतापुर की टेक्सटाइल इंजीनियर पूर्णिमा सिंह यादव पीसीएस अफसर बन गई हैं। पढ़ाई के दौरान टॉप आकर वह राज्यपाल से भी सम्मान पा चुकी हैं।यूपी के सीतापुर की पूर्णिमा सिंह यादव ने

यूपीपीसीएस-2024 की परीक्षा लाकर सफलता हासिल की है। असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्य एवं हुआ है। वह पहला विकासखंड कलां गांव की रहने वाली हैं। से उन्होंने जिले का गौरव बढ़ाया कि पूर्णिमा सिंह ने कक्षा पांच से पढ़ाई नवोदय विद्यालय, खैराबाद 2014 में 92 फीसदी अंकों के 2016 में 89 प्रतिशत अंकों के की है। इसके बाद गज़ियाबाद से इंजीनियरिंग में टाप किया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने गोल्ड मेडल से सम्मानित तीन साल से पीसीएस की तैयारी उनके पिता नरेंद्र सिंह यादव की वर्ष 2024 में मौत हो गई थी। माता नीलम यादव ग्रहणी हैं। बड़े यादव लेखपाल की तैयारी कर भाई नीतेंद्र सिंह यादव एजीटीए

में 96वीं रैंक उनका चयन कर के पद पर के मोहम्मदपुर अपनी सफलता है। बताया गया 12वीं तक की से की है। उन्होंने साथ 10वीं और साथ 12वीं पास टेकस्टाइल एकेटीयू के आनंदी बेन पटेल किया।पूर्णिमा में लगी थीं। बीमारी के चलते पूर्णिमा सिंह की भाई नीलेंद्र सिंह रहे हैं। वहीं छोटे की तैयारी में जुटे

हैं। नतीजा आने पर मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। यूपीपीसीएस की परीक्षा में सफलता हासिल के बाद पूर्णिमा को सोशल मीडिया पर बधाईयां मिल रही हैं। भाजपा विधायक आशा मौर्या, पूर्व मंत्री नरेंद्र सिंह वर्मा, शिवेंद्र प्रताप यादव, पहला ब्लॉक प्रमुख अजय यादव समेत तमाम लोगों ने उन्हें बधाईयां दीं।

एकतरफा प्यार में वीरू बना रामू: मोबाइल टावर पर चढ़ा, बोला- युवती से मेरी शादी कराओ, तब नीचे उतरूंगा

शाहजहांपुर के तिलहर क्षेत्र में एक युवक ने सोमवार को ऐसा कदम उठाया, जिससे खलबली मच गई। वह एक युवती से शादी करने की जिद पर मोबाइल टावर पर चढ़ गया और वहां से कूदने की धमकी देने लगा। शाहजहांपुर के तिलहर क्षेत्र में निवासी रामू कश्यप सोमवार को कछियानी पर चढ़ गया। उसे टावर पर चढ़ा देख लोगों पहुंच गई। रामू ने युवती से शादी कराए जाने पुलिस उसे समझाने का प्रयास कर रही था। मुताबिक रामू कश्यप का किसी युवती से प्यार करने लगा। युवती के शादी से इन्कार स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसे थोड़ी देर में उसके परिजन भी वहां आ गए। सीओ ज्योति यादव पुलिस टीम के साथ प्रयास किया तो वह युवती से शादी का

युवती से शादी करने की जिद कर रहा कपसेड़ा गांव खेड़ा स्थित डिग्री कॉलेज के पास लगे मोबाइल टावर में खलबली मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर का आश्वासन मिलने पर ही नीचे उतरने की बात कही। दोपहर दो बजे तक वह नीचे नहीं उतरा था।जानकारी के इंस्टाग्राम के जरिए परिचय हुआ था। वह उससे एकतरफा करने पर सोमवार सुबह रामू कछियानी खेड़ा के पास टावर के ऊपर चढ़ा देखकर लोगों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचीं सीओ तिलहर -सूचना पाकर तिलहर मौके पर आ गईं। पुलिसकर्मियों ने उससे बात करने का आश्वासन मिलने पर ही नीचे उतरने की बात कहने लगा। पुलिस वाले उसे समझाने का प्रयास कर रहे हैं। दोपहर दो बजे तक वह मोबाइल टॉवर पर ही चढ़ा रहा। सीओ ने बताया कि युवक को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। उसके परिजन भी युवक को समझा रहे हैं।

अनियंत्रित कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत; दो लोग घायल

श्रावस्ती में अनियंत्रित कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि, दो लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।यूपी के

श्रावस्ती में रविवार की रात तेज रफ्तार कंटेनर ने पहले ट्रैक्टर-ट्राली और फिर बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं, ट्रैक्टर-ट्राली सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आरोपी चालक कंटेनर छोड़कर भाग गया।हादसा गिलौला-बहराइच मार्ग पर परेवपुर गांव के पास हुआ। हादसे में बहराइच की ग्राम पंचायत नगरौर निवासी मोहम्मद अलीम (45) व जमील अंसारी (40) की मौके पर ही मौत हुई है। वहीं, ट्रैक्टर चालक बहराइच के अशोका डीहा निवासी कमलेश (25) व खलासी पुनीत वर्मा (18) गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से गिलौला सीएचसी पहुंचाया। वहां दोनों की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज, बहराइच के लिए रेफर कर दिया। मृतक जमील के चचेरे भाई हामिद अंसारी ने बताया कि दोनों गिलौला बाजार में टेलर का काम करते थे। रात में दुकान बंद करके घर वापस जा रहे थे। मोहम्मद अली हेलमेट लगाए थे। गिलौला थाना प्रभारी आशीष कुमार ने बताया कि दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक मौके पर भाग गया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर हादसे की जांच की जा रही है। गोशाला में भूसा पहुंचाने गया था ट्रैक्टर चालक-गिलौला क्षेत्र के ग्राम अशोका डीहा निवासी कमलेश यादव व पुनीत वर्मा धरसवां स्थित गोशाला में भूसा पहुंचाने गए थे। भूसा उतारने के बाद दोनों ट्रैक्टर-ट्राली लेकर वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान कंटेनर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रैक्टर का पिछला पहिया टूट कर निकल गया और वाहन सड़क किनारे खाईं में चला गया।

ऑनलाइन गेमिंग सट्टा एप से लाखों रुपये की ठगी, बरेली में दो आरोपी गिरफ्तार, गिरोह के सरगना की तलाश

बरेली में पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग सट्टा एप से ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी गिरोह के सदस्य हैं। इस गिरोह ने देशभर में लाखों रुपये की ठगी है। गिरोह का सरगना अहलादपुर

निवासी शिवम है। उसकी तलाश में पुलिस जुटी है। बरेली में पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग सट्टा एप से देश भर में ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस लाइन में एसपी क्राइम मनीष सोनकर ने सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी दी कि दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी डीके शर्मा की टीम ने नवाबगंज निवासी सूर्या पटेल और भुता के निवासी विनीत को मीडिया के सामने पेश किया। गेमिंग एप पर लगवाते थे सट्टा -एसपी क्राइम ने बताया कि यह दोनों आरोपी गिरोह के सदस्य हैं, इनका सरगना शिवम है। जो इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अहलादपुर का निवासी है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इन तीनों ने महाकाल, महादेव और एसआरएस पटेल नाम से गेमिंग एप बना रखे थे। यह लोगों से रुपये लेकर एप की आईडी बना देते थे और क्रिकेट मैच पर लाखों के दांव लगाए जाते थे। प्रतिदिन दो से ढाई लाख रुपये के दांव यह लोग लगाते थे। लोगों को जीतने पर रकम का भुगतान करते थे लेकिन जब कोई ज्यादा बड़ी रकम जीत जाता था तो उसका भुगतान फंसा देते थे।सरगना पर 15 रिपोर्ट हैं दर्ज

पुलिस के मुताबिक शिवम वर्ष 2022 से सट्टे का धंधा कर रहा है और एनसीआरबी की वेबसाइट पर उसके खिलाफ इस तरह की ठगी करने की करीब 15 रिपोर्ट दर्ज हैं। साइबर थाना पुलिस ने प्रतिबिंब एप के जरिए इन दोनों को चिन्हित किया और गिरफ्तारी कर ली। इनके कब्जे से कई आधार कार्ड, आईडी और क्यूआर स्कैन कोड और ठगी से संबंधित सामान मिला है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाते समय जिंदा जला ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मीरगंज क्षेत्र में दर्दनाक घटना हुई है। गांव लभेड़ा दुर्गाप्रसाद में मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाते समय किसी तरह ग्रामीण के कपड़े में आग लग गई, जिससे जलकर उसकी मौत हो गई। धुआं उठता देख पड़ोसी घर के पहुंचे तो अधजला शव देखकर उनका कलेजा कांप गया। मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव लभेड़ा दुर्गाप्रसाद में मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाते समय एक ग्रामीण की जलकर मौत हो गई। रविवार को हुई इस दर्दनाक घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय हरपाल अविवाहित थे। घर में वह अकेले रहते थे। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। घटना की सूचना मिलते ही उनकी दोनों बहनें गांव पहुंच गईं। भाई का शव देखकर उनका हाल बेहाल हो गया।

समाजवादी छात्रसभा प्रदर्शन कर कुलपति के खिलाफ नारेबाजी की

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। एमजेपीआरयू में समाजवादी छात्रसभा के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कुलपति के विरुद्ध प्रदर्शन

किया। कुलपति कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। इस दौरान छात्र नेताओं ने कुलपति के खिलाफ नारेबाजी की। छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्रों का शोषण करने और शिक्षक नियुक्ति में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया।

कैंट पुलिस ने जिला बदर आरोपी ऋषभ ठाकुर को दबोचा, रंगदारी व मारपीट का खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। थाना कैंट पुलिस ने रंगदारी और मारपीट के मामले में जिला बदर चल रहे आरोपी

ऋषभ ठाकुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 28 मार्च 2026 को एक युवक के साथ मारपीट कर उससे करीब 9 हजार रुपये वसूलने और वीडियो वायरल करने का आरोप है।29 मार्च को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कठपुला पुल के पास से उसे गिरफ्तार किया। तलाशी में 3300 रुपये नकद और एक मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले से जिला बदर था, इसके बावजूद वह चोरी-छिपे क्षेत्र में रहकर अपराध कर रहा था। आरोपी के खिलाफ कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि उसके साथियों की तलाश जारी है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

24 मार्च को जिलेभर में होगा विद्या आरंभ प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा-विद्याआरंभ कार्यक्रम के लिए घर-घर जाकर पीले

चावल देकर आमंत्रित किया गया कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा 24 मार्च को जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्या आरंभ प्रमाण पत्र वितरण एवं प्रवेश उत्सव कार्यक्रम卐 का आयोजन किया जाएगा। विद्या आरंभ कार्यक्रम के लिए घर-घर जाकर पीले चावल देकर आमंत्रित किया इस आयोजन के अंतर्गत जिले के लगभग 17 हजार 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को ग्रेजुएशन सेरेमनी के रूप में विद्या आरंभ प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में बाल चौपाल का आयोजन किया जाएगा, जहां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित करेंगे तथा उन्हें स्कूल शिक्षा में प्रवेश के लिए प्रेरित करेंगे। यह आयोजन बच्चों के आंगनवाड़ी से स्कूल शिक्षा की ओर संक्रमण को उत्सव के रूप में मनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। शासन के निर्देशों के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम में बच्चों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए इसे उत्साहपूर्ण एवं समागमपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने, उन्हें नियमित विद्यालय से जोड़ने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विद्यालयीन शिक्षा के लिए तैयार करना एवं उनमें सीखने की उत्सुकता विकसित करना है।

नगर निगम के खजाने में धनवर्षा, 131 करोड़ के लक्ष्य के करीब

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति की ओर बढ़ते ही नगर निगम के खजाने में धनवर्षा शुरू हो गई है। बकाया संपत्ति कर जमा करने के लिए निगम कार्यालय के काउंटरों पर सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं।डिजिटल माध्यमों से भी रिकॉर्ड भुगतान किया जा रहा है। सबसे बड़ी राहत सरकारी महकमों से मिली है। हाल ही में बिजली विभाग ने 9.24 करोड़, स्टांप विभाग ने 17 करोड़, पुलिस विभाग ने 99 लाख और कलेक्ट्रेट ने 68 लाख रुपये का बकाया भुगतान कर दिया है। इस तरह सरकारी महकमों से 26 करोड़ की वसूली हुई। ,शासन ने इस बार राजस्व वसूली के लिए नगर निगम को 131.56 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था। वर्तमान आंकड़ों और बड़े सरकारी विभागों से मिले भारी-भरकम भुगतान को देखते हुए अधिकारियों को पूरा भरोसा है कि चालू वित्तीय वर्ष के समाप्त होने तक इस आंकड़े को पार कर लिया जाएगा। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके द्विवेदी का कहना है कि राजस्व वसूली बढ़ाने के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान रंग ला रहा है। 22 मार्च तक आंकड़ा 128 करोड़ के पार पहुंच गया है। बड़ी संख्या में लोग निगम की वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर घर बैठे ही बिलों का निपटान कर रहे हैं। एक अप्रैल से बकाया राशि पर नियमानुसार ब्याज लगाया जाएगा। इसी पेनाल्टी से बचने के लिए करदाता समय रहते अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

नरवाई जलाने पर होगी केस दर्ज किए जाने की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में नरवाई जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों की रोकथाम हेतु प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। वातावरण प्रदूषण, आगजनी की घटनाओं से जान-माल की हानि, मिट्टी के लाभकारी कीटों का नष्ट होना तथा उर्वरा शक्ति में कमी जैसे गंभीर नुकसान को देखते हुए नरवाई जलाना पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं मैदानी अमले द्वारा गांव-गांव जाकर नरवाई प्रबंधन के संबंध में जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामों में चौपाल, सभाएं एवं बैठकों का आयोजन कर कृषकों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान तथा उसके विकल्पों की जानकारी दी जा रही है।

कृषकों को अवगत कराया जा रहा है कि स्ट्रारीपर के माध्यम से फसल अवशेष का प्रबंधन कर भूसा बनाया जा सकता है तथा रोटावेटर से नरवाई को मिट्टी में मिलाकर भूमि की उर्वरता बढ़ाई जा सकती है। जागरूकता अभियान के तहत विकासखंड शिवपुरी के ग्राम सकलपुर, विकासखंड कोलारस के ग्राम कार्या, विकासखंड करैरा के ग्राम टीला, वघरा साजौर तथा विकासखंड पिछोर के ग्राम खोड़ एवं खदोय में कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा बैठकें आयोजित कर किसानों को जानकारी दी गई। नरवाई जलाने की स्थिति में संबंधित कृषकों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर एफआईआर की कार्रवाई की जाएगी।

रायबरेली में जनरल स्टोर चलाने वाले की बेटी बनीं पीसीएस, पहले प्रयास में हासिल किया दूसरा स्थान

रायबरेली में जनरल स्टोर चलाने वाले की बेटी अनन्या ने पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल की है। उन्होंने पहले ही प्रयास में दूसरा स्थान हासिल किया है।यूपी के रायबरेली में आनंद नगर मोहल्ले की रहने वाली अनन्या त्रिवेदी ने यूपीपीसीएस-2024 में बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल करके अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। उन्हें पहली ही कोशिश में शानदार उपलब्धि मिली है।अनन्या के पिता सुशील कुमार एक जनरल स्टोर चलाते हैं। उनकी मां रेखा रानी शिक्षिका हैं। बेटी की इस सफलता से पिता की खुशी का ठिकाना नहीं है। सोमवार को उन्होंने घर पर ढोल बजाकर जश्न मनाया।अनन्या ने बताया कि योजनाबद्ध तैयारी और रोजाना छह घंटे की पढ़ाई करके उन्हें सफलता मिली है। उन्होंने अपने मामा पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पांडेय को मुख्य मार्गदर्शक बताया। राजेश कुमार पांडेय कानपुर देहात में कार्यरत हैं। बताया सफलता का मंत्र- उन्होंने बताया कि नियमित और योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करना महत्वपूर्ण है। यह समर्पण और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता का आधार बनी। उनके मामा ने उन्हें सही दिशा में उनका मार्गदर्शन किया।

राष्ट्रीय मंच पर चमका विदिशा - गौमय उत्पादों को SKOCH अवॉर्ड, 2150 महिलाओं की मेहनत को मिला सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ गौशालाओं से आत्मनिर्भरता की राह - पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अनूठा संगम विदिशा जिले के लिए यह गर्व का क्षण है कि जिले में निर्मित गौमय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नई दिल्ली में आयोजित SKOCH Summit 2026 के दौरान विदिशा की गौशालाओं से जुड़े उत्पादकों को प्रतिष्ठित SKOCH Awards से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि ग्रामीण नवाचार और स्वावलंबन का सशक्त उदाहरण भी बनकर सामने आई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा जिले को प्राप्त अवार्ड सम्मान प्रमाण पत्र को सौंपा गया है। गौरतलब हो कि कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया और पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ एनके शुक्ला ने दिल्ली में उक्त अवार्ड प्रमाण पत्र को प्राप्त किया था। जिसे आज कलेक्टर चेम्बर में उल्लेखित अधिकारियों के द्वारा सौंपा गया है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की प्रेरणादायक मार्गदर्शन में दीपावली 2025 से पहले एक व्यापक अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विदिशा जिले की 45 गौशालाओं एवं आजीविका मिशन से जुड़ी 182 महिला स्व-सहायता समूहों की लगभग 2150 महिलाओं को गौमय उत्पाद निर्माण से जोड़ा गया है। इस पहल के तहत महिलाओं ने गोबर से बने करीब 250 प्रकार के पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार किए, जिनमें दीपक, हवन कप, धूपबत्ती, मूर्तियां और सजावटी सामग्री प्रमुख हैं। उत्पादन को गति देने के लिए 108 हस्तचालित मशीनें और बड़ी संख्या में सांचे उपलब्ध कराए गए, जिससे बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार किए जा सके। परिणामस्वरूप लगभग 25 लाख गौमय दीपकों का निर्माण किया गया, जिन्हें देश के विभिन्न शहरों में भेजकर बिक्री की गई। इस पूरी प्रक्रिया से उत्पादकों को करीब 12.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली। विशेष पहलू पर्यावरण संरक्षण प्लास्टिक और रासायनिक उत्पादों के स्थान पर प्राकृतिक एवं जैविक गौमय उत्पादों का उपयोग बढ़ा। महिला सशक्तिकरण 2150 ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आय का स्थायी स्रोत मिला। गौशालाओं की आत्मनिर्भरता गौशालाओं को अतिरिक्त आय के स्रोत प्राप्त हुए, जिससे उनका संचालन सुदृढ़ हुआ। स्थानीय से राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच विदिशा के उत्पाद देशभर में पहुंचे, जिससे ब्रांड पहचान बनी। सस्टेनेबल मॉडल यह पहल पशुपालन, आजीविका और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए एक टिकाऊ ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत करती है। प्रभाव और भविष्य की दिशा इस अभिनव मॉडल की सफलता के बाद इसे और व्यापक स्तर पर लागू करने की योजना बनाई जा रही है। भविष्य में अधिक गौशालाओं और स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उत्पादन बढ़ाने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया जाएगा। कलेक्टर के नवाचारों का यह प्रयास दिखाता है कि स्थानीय संसाधनों और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किस तरह आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अनियंत्रित होकर पलटी बाइक, तीन सवार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती मल्हीपुर थाना क्षेत्र के कानीबोझी राप्ती बैराज मार्ग पर वन बैरियर के पास एक बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक पर सवार तीन लोग घायल हो गए। हालत गंभीर देख सभी घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के ग्राम पटना खरगौरा निवासी अर्जुन (22) पुत्र गंगाराम, कुंदन (17) पुत्र उदयराज व अरुण (10) पुत्र सिद्धि मल्हीपुर के ग्राम लक्ष्मणपुर कोठी निवासी लालजी पासवान के यहां तिलक समारोह में शामिल होने गए थे। जहां से सभी बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान कानीबोझी राप्ती बैराज मार्ग स्थित वन बैरियर के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई।

नेपाल से लाई जा रही 40 लाख की धूप लकड़ी जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती सीमा पार से सोमवार को तीन ट्रैक्टर ट्रालियों से तस्करीकर काली धूप की लकड़ी लाई जा रही थी। वन विभाग व एसएसबी की संयुक्त टीम ने तीनों ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ लिया। जबकि तस्कर वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गए। पकड़ी गई लकड़ियों की कीमत 40 लाख रुपये बताई जा रही है। ककरदरी वनरेंजव 62वीं वाहिनी एसएसबी को सोमवार को मुखबिर से सूचना मिली की ट्रैक्टर ट्राली पर कुछ लकड़ी नेपाल से आने वाली है। सूचना मिलते ही ककरदरी वनक्षेत्र के क्षेत्रीय वनाधिकारी मोहित श्रीवास्तव ने वन विभाग व हकीमपुरवा सीमा चौकी की एसएसबी टीम को साथ लेकर ककरदरी वन क्षेत्र से सटे हकीमपुरवा, भरथा रोशनगढ़ के पास भारत नेपाल सीमा पर गश्त शुरू की। इस दौरान नेपाल राष्ट्र के रास्ते हकीमपुरवा होते हुए तीन ट्रैक्टर ट्राली आती दिखी। टीम ने टार्च की रोशनी कर रुकने का इशारा किया। इसपर चालक ट्रैक्टर ट्रालियों को मोड़कर ककरदरी वन क्षेत्र के भिनगा कक्ष संख्या छह में घुसने लगे। दो तस्कर वाहन छोड़कर भाग निकले। जबकि एक तस्कर ट्राली को छोड़कर ट्रैक्टर लेकर भागने लगा। टीमनेरोकने का प्रयास किया गया तो उसने टीम के कर्मियों को कुचलने का प्रयास करते हुए वाहन लेकर नेपाल की तरफ भाग गया।

साइबर ठगी का भंडाफोड़, 15 राज्यों तक फैले तार, दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। फर्जी बेटिंग और गेमिंग एप के जरिए ठगी कर वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया। गिरोह के दो सदस्यों को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि गिरोह का सरगना भागने में कामयाब रहा। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। गिरोह ने देश के करीब 15 राज्यों में लोगों को साइबर ठगी का शिकार बनाया। बता दें कि आशुतोष सिटी में कमरा किराए पर लेकर फर्जी कॉल सेंटर का संचालन किया जा रहा था। जहां काम करने वाले गिरोह के सदस्य लोगों को कॉल करते व उनकी बताई ऑनलाइन बेटिंग और गेमिंग एप पर पैसा लगाने का लालच दिया करते। इसके लिए आरोपियों ने महादेव, महाकाल नाम का फर्जी बेटिंग एप भी बना रखा था। पुलिस को इस गिरोह की भनक उस वक्त लगी जब एनसीआरपी (नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल) दर्ज एक शिकायत से संबंधित मोबाइल नंबर और पीड़ित के खाते में जिस ट्रांजेक्शन आईपी के जरिए सेंधमारी की गई थी उसकी जांच की जा रही थी। ट्रांजेक्शन आईपी से मिले मोबाइल नंबर की लोकेशन आशुतोष सिटी में मिली। लिहाजा साइबर क्राइम थाना पुलिस ने आशुतोष सिटी के मकान में जाकर छापामार कार्रवाई की।

दो दर्दनाक हादसों में 2 की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी के बरेली देहात के आंवला क्षेत्र में दो अलग-अलग हादसों में दो युवकों की दर्दनाक मौत से इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। एक तरफ जहां चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत हो गई, तो वहीं दूसरी ओर सांड से टकराकर बाइक सवार युवक ने दम तोड़ दिया। बरेली-चंदौसी रेलवे ट्रैक पर नूरपुर रेलवे फाटक के पास बदायूं के वजीरगंज थाना क्षेत्र के हथरा गांव निवासी शाहरुख खान की चलती ट्रेन से गिरकर मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों के अनुसार, शाहरुख ने प्रेम विवाह किया था और हाल ही में पत्नी से विवाद के बाद दिल्ली से वापस लौटा था। बताया जा रहा है कि वह दोबारा दिल्ली जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वहीं, परिवार ने ससुराल पक्ष पर हत्या की आशंका जताई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

Varun Dhawan's one-and-a-half-year-old daughter underwent surgery for hip dysplasia. Learn what the condition is.

Varun Dhawan has revealed that his daughter, Lara, suffered from a condition called hip dysplasia. Diagnosed at the age of one-and-a-half, she had difficulty walking. Varun Dhawan's daughter, Lara, underwent a successful operation at the age of one-and-a-half, and is now cured. This condition is caused by misalignment of the hip bones. Bollywood actor Varun Dhawan recently made a shocking revelation about his daughter. Sharing his pain in a podcast, he revealed that his daughter, Lara, suffered from a condition called hip dysplasia. He explained that doctors diagnosed Lara with the condition when she was about one-and-a-half years old. It was causing significant difficulty walking and running. However, it is a matter of relief that Lara has undergone a successful operation and is now recovering rapidly. Let's find out what this condition is - what is hip dysplasia? We all know that our hip functions like a ball and socket, where the thigh bone (femur) fits perfectly into the groove of the hip bone (pelvis). However, in hip dysplasia, this socket is too shallow, or the bones don't fit properly. This condition is also known as developmental dysplasia of the hip (DDH) in medical terms. What are its main symptoms in children? If a child has this condition, they may experience the following symptoms: A limp while walking or running. A discrepancy in the length of their legs (one leg appears shorter and the other longer). The hip joint is very loose or unstable. Pain in the hip or upper thigh (front of the waist). Why does this condition occur? In most cases, this condition is present from birth. Sometimes, the fetus's position in the womb is such that it puts constant pressure on the hip, preventing proper bone development. Apart from this, it can also be genetic, that is, if someone in the family has it before, then the child is also at risk of it. Who is more at risk?- Although this disease can happen to any child, but it is generally seen more in girls and the first child in the family. Also, it often affects the left hip more than the right. When is it detected?- In most of the cases, doctors detect this disease during routine checkup within the first 6 months of birth, because its symptoms are not easily understood by the parents at home. However, in some mild cases, it can appear for the first time in adulthood or even in adults.

4 habits will change your entire life, Harvard-trained doctor reveals the secret to longevity and health

Harvard-trained gastroenterologist Dr. Saurabh Sethi recommends adopting 4 habits for a long, healthy, and happy life. We all want to live a happy and healthy life. A few everyday habits have the power to improve our lives. Just these 4 basic changes are enough to live a wonderful life. In this age of social media, we often feel that we need an expensive gym, a fancy diet, or some other drastic change to change our lives. We're always looking for something exciting or "glamorous," but what if we told you that the real secret to a long, healthy, and happy life lies in some of the world's most "boring" and ordinary habits? Yes, Harvard-trained gastroenterologist Dr. Saurabh Sethi also believes that the real magic lies in the small things we do every day without any fuss. Let's explore four seemingly innocuous habits that can quietly boost your health and happiness. Maintain physical strength - Weakening is a natural process as we age. We often think that just a little walking is enough to keep ourselves fit, but that's not true. To remain energetic and independent in old age, you should engage in exercises that strengthen your muscles. Doctors say that maintaining your physical strength is a significant investment. Eat home-cooked food instead of outside food - Eating outside food or packaged items has become increasingly common these days, slowly harming the body. The simplest solution is to prepare most of your meals in your own kitchen. When you eat fresh, home-cooked food, you automatically avoid harmful and adulterated foods. This is the most sustainable and authentic way to stay healthy. Spend time with loved ones - While acquiring wealth and fame may be important, science has proven that relationships are the most crucial to living a long, healthy, and happy life. Your true friends and family are your true assets. Therefore, stay connected to your loved ones and spend quality time with them. Be grateful for what you have - Instead of constantly complaining about the things you don't have, focus on the things you do have. The habit of expressing gratitude for every small and big joy in life calms your mind. This not only improves your sleep but also changes your outlook on life completely. These four things may seem very common at first glance, but if you understand their depth and make them a part of your life, you can achieve remarkable results.

AI is resorting to "flattery" to please you, justifying every mistake and giving dangerous advice.

A new study has revealed that AI is now resorting to "flattery" instead of providing unbiased answers, a practice known as "social psychofantasy." AI is now providing flattering answers, not impartial ones. This has been termed "social psychofantasy," which is dangerous. 11 major AI models failed the test, raising questions about trust. Do you also rely on Artificial Intelligence (AI) for every question or decision, big or small? If so, this information is crucial for you. A new study has revealed the shocking fact that AI is now resorting to "flattery" like humans instead of providing unbiased answers. Instead of telling the truth, it is providing answers that please you. Social Psychofantasy: The New Disease of AI - In scientific terms, this new behavior of AI has been named "social psychofantasy." This simply means that instead of pointing out your mistakes, AI justifies your every thought and action. It's now focusing more on what the user likes to hear, rather than on the actual truth. 11 Major AI Models Fail - An important study was published in the journal Science on Thursday. This research tested 11 major language models, including Google, OpenAI, Meta, Mistral, and Anthropic. The results found that all of these models, even when faced with confusing and controversial questions, instead of providing fair and truthful answers, simply say what the user finds pleasing. All the AIs tested exhibited varying degrees of flattery. Negative Impact on Human Relationships and Behavior This habit of AI is proving dangerous for humans: Wrong Advice: AI is giving users false and inaccurate advice that can damage relationships and encourage harmful habits. Falsehood in Moral Decisions: When people seek advice from AI on personal or moral matters, it justifies them. Refusal to admit mistakes: Due to the support provided by AI, people are stopping admitting their mistakes and always believing themselves to be right. Experiments revealed the truth: During this study, two separate experiments were conducted on 1,604 people. It was observed that when AI agreed with users' statements, people refused to admit their mistakes and increased their trust in the AI. An interesting example of this was seen on platforms like Reddit. Even when the online community criticized a user for their question, the AI ??defended the same wrong user. Questions raised about AI's trustworthiness: Experts have warned that this tendency to flatter AI is extremely dangerous. This is creating a web of "convenient lies" between users and the developers who created the AI. AI is only saying what people want to hear, which raises a serious question about its trustworthiness.

This 6-episode series is being widely watched on Jio Hotstar, striking a blow to society's thinking.

The web series "Chiraiya," directed by Shashant Shah, is trending on Jio Hotstar. This 6-episode series tackles sensitive topics like marital rape and patriarchal thinking. The series is trending on Jio Hotstar. The story is based on marital rape, starring Divya Dutta and Sanjay Mishra. OTT platforms are full of content. Every week, a film or series is released that captivates audiences. From action thrillers to romantic dramas, dark comedies, and horror films, you'll find a diverse mix of genres. A movie is currently trending on OTT platforms, with a slightly different storyline, but it's sure to be a hit. We're talking about the Shashant Shah-directed series Chiraiya, which released on Jio Hotstar on March 20th. Starring Divya Dutta, Sanjay Mishra, Sarita Joshi, Faisal Rashid, Prasanna Bisht, and Siddharth Shaw, the series tackles important issues like marital rape and patriarchal thinking. What is the story of Chiraiya? The series revolves around a woman (Pooja) who speaks out against her husband (Arun). He exploits her after marriage by exercising his marital rights without her consent. This forces her to speak out against her entire family and society. In this struggle, her elder sister-in-law, who initially dislikes her, stands by her every step of the way. Available in 12 languages, the series confronts the uncomfortable truth, questioning old beliefs about how even "woman's consent" matters within the confines of marriage. It also depicts the defiance of many traditions. The series is available in 12 languages ??including Hindi, Tamil, Telugu, Malayalam, Kannada, Marathi, Bengali and Gujarati.

Salman Khan's ex-sister-in-law enters Karan Johar's show, Bipasha and Muskaan get an offer?

Karan Johar's reality show, The Traitors, has been announced. Let's find out who will be a part of the show this time. Karan Johar is hosting The Traitors 2. The Traitors Season 2 will feature big celebrities - Bipasha Basu turned down the part. The first season of Karan Johar's show, The Traitors, was a success. Full of gossip and games, the show was highly talked about. Now, Karan Johar is bringing the second season of The Traitors. There's been a lot of gossip about who will be a part of the show this time. Recently, at an Amazon Prime Video event, it was announced that Karan Johar is bringing The Traitors Season 2. Ever since the announcement of the second season, discussions have been rife about the contestants. Many celebrities have rejected the show. Who has entered The Traitors 2? - It is being said that Bipasha Basu, Elli Avram, Neha Dhupia, RJ Mahvash, Arjun Bijlani, Rannvijay, and many others have been approached for the show. Furthermore, it has been reported that Javed Jaffrey's daughter, Muskaan Jaffrey, will also be a part of the show. However, it is not yet clear whether Muskaan has agreed to participate. However, the number of these stars appearing on the show has not yet been confirmed. Did Bipasha Basu turn down the show? - The news of Bipasha's appearance on the show had excited her fans, but that is no longer expected. According to some reports, Neha Dhupia and Bipasha Basu have rejected the reality show. Both will not be a part of the show. Meanwhile, according to Newsbytes, Arjun Bijlani has also confirmed that he will not be a part of the show. Will Salman Khan's ex-sister-in-law be a part of the show? - According to Bollywood Hungama, Salman Khan's ex-sister-in-law and Sohail Khan's ex-wife Seema Sajdeh may also be a part of the show. She has been approached for the show. However, there is no confirmation on whether she will be a part of it. The Traitors Season 2 star cast - In addition to Seema, names of celebs like Rhea Chakraborty, Dalip Tahil, Parul Gulati, Mallika Sherawat, and Elvish Yadav are also being discussed. Currently, the exact cast of the show has not been confirmed. The premiere date of the second season has also not been revealed.

MPs slammed the Censor Board for refusing to certify The Voice of Hind Rajab, wrote a letter to Ashwini Vaishnav.

The Voice of Hind Rajab is based on the real-life murder of a young Palestinian child during the 2024 Gaza conflict. MPs slammed the Censor Board - wrote a letter to Ashwini Vaishnav - The matter concerns the film 'The Voice of Hind Rajab'. A group of MPs has written to Union Information and Broadcasting Minister Ashwini Vaishnav expressing concern about the film 'The Voice of Hind Rajab'. They cited reports that the Central Board of Film Certification (CBFC) refused to certify the film without issuing a formal written order. What is the film's story? - The film is based on the real-life murder of a young Palestinian child during the 2024 Gaza conflict. Directed by Kaouther Ben Hania, the film was made in Tunisia and nominated for an Oscar. The MPs argue that the film's subject matter, while sensitive, exemplifies freedom of expression. MPs from various parties have demanded immediate intervention to ensure that the film is examined in accordance with the constitutional guarantee of freedom of expression and the statutory framework governing film certification in India. Signatories to the letter include Jairam Ramesh, John Brittas, Ram Gopal Yadav, Manoj Kumar Jha, Rajathi, Sarfraz Ahmed, Haris Beeran, and Javed Ali Khan. Creative freedom cannot be stifled - MP John Brittas said, "Creative expression cannot be stifled through vague or informal censorship. He added, "India's democratic strength lies in the belief that it allows diverse ideas and stories to be expressed freely, not suppressed through illegal means." The Ministry of Information and Broadcasting has not yet issued an official response to the concerns raised.